एन.एस.एस. दिवस

अग्रवाल महाविद्यालय, बल्लबगढ़ में दिनांक 01–10–2013 को संभाग प्रथम के सभागार में एन.एस.एस. विभाग के तत्वावधान मे एन.एस.एस. दिवस का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप मे महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक के एन.एस.एस. संयोजक माननीय डॉ0 रणवीर गुलिया जी उपस्थित हुए. यह कार्यक्रम महाविद्यालय प्राचार्य डॉ0 कृष्णकान्त गुप्ता के कुशल नेतृत्व में हुआ.

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीपशिखा प्रज्ज्वलित करने के साथ हुआ. कार्यक्रमाधिकारी श्रीमती किरन आनन्द और श्रीमती रेखा सैन एवं विद्यार्थियों ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया. श्रीमती किरन आनन्द ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया. इस कार्यक्रम के दौरान नारा लेखन (स्लोगन) पोस्टर मेकिंग और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता में गुड़गाँव, पलवल, फरीदाबाद के विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा को दर्शाया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय डॉ0 रणवीर गुलिया जी ने एन.एस.एस. के लक्ष्यों व उद्देश्यों के बारे मे बताते हुए स्वयं सेवकों को बताया कि डिग्री पद उपाधि से अधिक महत्वपूर्ण सामाजिक पहचान है जो निःस्वार्थ समाज सेवा से ही आती है. सभी युवाओं को महात्मा गाँधी व स्वामी विवेकानन्द के आदर्शों पर चलना चाहिए. आत्मचिन्तन से ही सकारात्मक सोच उत्पन्न करके देश का विकास किया जा सकता है. कर्म से ही प्रत्येक व्यक्ति की पहचान होती है. कार्यक्रम में आयोजित सभी गतिविधियों के विजेताओं को माननीय मुख्य अतिथि महोदय व कार्यक्रमाधिकारियों के द्वारा पुरस्कृत किया गया.

चलविजयोपहार डी.ए.वी. शताब्दी महाविद्यालय, फरीदाबाद को प्रदान किया गया. इस कार्यक्रम के दौरान एनएसएस के विद्यार्थियों ने पिछड़े वर्ग से संबंधित 100 बच्चों के लिए शिक्षा सामग्री (स्टेशनरी) देने का विचार किया. इन पिछड़े वर्ग के बच्चों को शिक्षित करने के लिए एन एस एस के विद्यार्थी पिछले तीन साल से इस कार्य में अपनी सेवाएं दे रहे है.

कार्यक्रम संयोजक श्रीमती किरण आनन्द तथा श्रीमती रेखा सैन ने मुख्य अतिथि महोदय जी को स्मृति चिह्न भेंट किया. इस कार्यक्रम का मंच संचालन स्वयं सेविका दिव्या (बी.ए. तृतीय वर्ष) ने किया. कार्यक्रम के अन्त में धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती रेखा सेन के द्वारा किया गया.